ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-९७
दिनांक-मंगलवार,१० दिसम्बर,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.७ एवं १२.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.५ एवं दोपहर में २४.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(११-१५ दिसम्बर,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११-१५ दिसम्बर,२०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से १३-१४ दिसंबर के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में गरजवाले बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में तराई एवं मैदानी जिलों में कहीं-कहीं छिटपूट वर्षा/बूंदा-बूंदी की संभावना है।
- अधिकतम तापमान २३ से २४ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान ११ से १२ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चल सकती है। हलाकि ११ एवं १५ दिसंबर में कहीं-कहीं पछिया हवा चलने का अनुमान है। रात्री एवं सुबह में हल्के कुहासे छा सकते है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- छिटपूट वर्षा/बूंदा-बूंदी की संभावना को देखते हुए कृषि कार्य जैसे कीटनाशक दवाओं के छिड़काव आदि में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। खड़ी फसलों में सिंचाई के लिए किसान भाई इंतजार कर सकतें हैं।
- अगात बोयी गयी गेहुँ की फसल जो २१-२५ दिनों की हो गई हो, में प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। वर्षा नहीं होने के स्थिती में फसल की सिंचाई कर उर्वरक डालें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २९६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम फॉसफोरस एवं २० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १५० किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १२५ किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- गेहूँ की जिन खेतों में दीमक का प्रकोप रहता हो, वैसे किसान दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ लीटर मात्रा बालू में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
- आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन कर आलू में मिट्टी मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आलू में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, पूरी फसल बरबाद हो जाती है। फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड ४८ ई०सी०@ १ मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। सब्जियों वाली फसल में निकौनी करें।
- पिछात गोभी वर्गीय सब्जियों में गोभी की तितली/छिद्रक कीट/पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इन कीटों से बचाव हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी० का १.० मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोल बनाकर पौधों पर समान रुप से छिड़काव करें।
- प्याज के ५०-५५ दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। इसके लिए खेत को समतल कर छोटी-छोटी क्यारियाँ बनावें। क्यारियों का आकार, चौड़ाई १.५ से २.० मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-५ मीटर रखे। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकासी के लिए नाले अवश्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में १५ से २० टन गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास तथा ४० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। पिछात प्याज की पौधशाला से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- रवी मक्का की अगात फसलों में निकौनी करें तथा नियमित रुप से फसल में कीट एवं रोग-व्याधि की निगरानी करें।
- पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सूखी घास या राख का उपयोग करें। दूधारु पशुओं को हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से दाने एवं कैल्सियम खिलाये।

आज का अधिकतम तापमानः २५.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १२.१ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी